Pushpak 1st Floor 18/1 Deodar Street, Kolkata - 700019, West Bengal, India
Tel +91 33 2454 0101 / 2454 5556 Telefax +91 33 2476 1445 M 98300 17953 E sagittariusinc.pr@gmail.com / shiladit73@gmail.com W www.sagittariusinc.in

Publication Dainik Pratahkal **Edition** Jaipur
Client Mani Group **Page No. 03 Date: 06.11. 2015**

राजस्थान में इको-टूरिजम के बढ़ावे के लिए

मणि ग्रुप बनायेगा ऑर्गेनिक रिसोर्ट परियोजना के लिए 110 करोड़ रुपये निवेश करेगा

जयपुर। रियल इस्टेट व अतिथि सत्कार क्षेत्र की अग्रणी कंपनी, मणि ग्रुप, राजस्थान के नागौर जिले के अजमेर के निकट इको-पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक अभिनव स्टार रेटेड ऑर्गेनिक रिसोर्ट तैयार करेगी, इस संबंध में मणि ग्रुप ने राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग के साथ एक करार पर हस्ताक्षर किया. परियोजना का आनुमानिक खर्च 110 करोड़ रुपये है।

प्रस्तावित स्टार रेटेड ऑर्गेनिक रिसोर्ट लगभग 300 बीघे की जमीन पर तैयार किया जायेगा जिसमें पर्यावरण की निरंतरता को आराम के साथ समाहित किया जायेगा और इसमें एक सम्मेलन केंद्र (कम से कम 500 लोगों के लिए सम्मेलन और बैंक्वेट की सुविधा के साथ) 70+ मेहमान विलाए, एक कॉफी शॉप, दिन भर चलने वाला डाइनिंग रेस्तरां, लाउंज बार के साथ स्पेशियलिटी रेस्तरां, एक स्पा, एक जिम्नेशियम तथा मनोरंजन की कई अन्य सुविधाएं रहेंगी।

मणि ग्रुप के सीइओ, संजय झुनझुनवाला ने इस अवसर पर कहा, सबसे पहले मैं राजस्थान की मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे को धन्यवाद देना चाहूंगा जिन्होंने कोलकाता में हमसे मुलाकात का समय निकाला जहां हमने ऑर्गेनिक रिसोर्ट परियोजना का प्रस्ताव दिया, मैं रा%य सरकार को भी रिसर्जेंट राजस्थान-2015 के आयोजन के लिए बधाई देना चाहूंगा जहां पर्यटन सेक्टर को प्राथमिकता के क्षेत्र में शामिल किया गया है। पूरी तरह हरित यह रिसोर्ट पर्यावरण के प्रति बढ़ रही जागरूकता तथा ग्रामीण परिवेश के साथ-साथ समूचे विश्व के साथ रहने की अवधारणा पर आधारित है, इसका परिचालन वशिष्ट ग्लोबल रिसोर्ट ऑपरेटर द्वारा किया जायेगा जो नागौर और अजमेर की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा। इस परियोजना से 450 से अधिक लोगों को रोजगार मिल सकेगा।

ऑर्गेनिक रिसोर्ट में प्रस्तावित दक्षता विकास केंद्र न केवल रिसोर्ट के कर्मचारियो को प्रशिक्षित करेगा बल्कि नजदीक रहने वाले ग्रामीणों को भी रोजगार और प्रशिक्षण मुहैया करायेगा अधिकांश जमीन का उपयोग जैविक उत्पाद उगाने के लिए किया जायेगा।